ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 26-10-2021

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-10-26 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-10-27	2021-10-28	2021-10-29	2021-10-30	2021-10-31
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	29.0	29.0	29.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	14.0	14.0	14.0	14.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	80	80	75	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	45	50	55	60
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	330	330	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (19 – 25 अक्टूबर, 2021) में 355.2 मिमी वर्षा होने व आसमान साफ रहने के साथ घने बादल छाये रहे। अधिकतम तापमान 24.8 से 30.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 17.0 से 21.4 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 70 से 96 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 40 से 91 प्रतिशत एवं हवा 1.3 से 6.1 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व-उत्तर-पूर्व व पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चली। आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 28.0 से 30.0 व 13.0 से 14.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 31 अक्टूबर से 6 नवम्बर के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| किसान भाई गेहूँ व दलहनी फसलों की बुवाई करें। मौसम पूर्वानुमान व मिट्टी में नमी की स्थिति को ध्यान में रखकर ही बुवाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी दिनों मे वर्षा की सम्भावना नहीं है अतः किसान भाई मौसम को ध्यान में रखते हुए तैयार धान की कटाई और मड़ाई पूर्ण करे तथा सब्जियों की तुड़ाई की उचित व्यवस्था करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
तिल	तिल की फसल माह के अन्त तक पक जाती है। इसकी समय पर कटाई कर लें तथा फलियों को पीटकर दाना अलग कर लें।
रेपसीड	तोरिया की फसल में जमाव के 15 दिन बाद विरलीकरण द्वारा घने एवं कमजोर पौधो को निकालकर पौधो से पौधो की दूरी 10-15 सेमी रखे। तथा जो फसल 20-25 दिन की हो गयी हो उसमे सिंचाई करें। सिंचाई के 4-5 दिन बाद जब खेत चलने लायक हो जाय तब बची आधी नाइट्रोजन का यूरियां द्वारा टाप ड्रेसिंग करें।
गेहूँ	असिंचित दशा में गेहूँ की संस्तुत प्रजातियों-पी.बी.डब्लू. 644, पी.बी.डब्लू. 396, पी.बी.डब्लू.299, सी. 306 तथा डब्लू.एच. 1080 की समय से बुवाई अक्टूबर के इस द्वितीय पखवाड़े में मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
मसूर की दाल	मसूर की बुवाई करें। बुवाई हेतु मसूर की उन्नतशील किस्मों पी.एल.-406, पी.एल.-639, पी.एल.-4,5,7,8, डी.पी.एल.-15, 62 आदि का चुनाव करें। मसूर हेतु बीज दर 30-40 किग्रा/हेक्टेयर रखे तथा बुवाई 30 सेमी. पर करें।
फील्ड पी	दाल वाली गोल मटर की बौनी प्रजाति- अपर्णा, मालवीय मटर-5, डी.डी.आर-23, पंत मटर 13, 14, 25, 75 एवं सामान्य किस्म- पंत मटर-42 का चुनाव कर इस माह बुवाई करें। मटर की बौनी प्रजाति हेतु बीज दर 100-125 किग्रा/हेक्टेयर तथा सामान्य किस्मों हेतु 75-80 किग्रा/हेक्टेयर रखें तथा बुवाई 30 सेमी. की दूरी पर करें।
भिण्डी	भिंडी के पत्ते काले पड़ने पर, दोपहर में पत्तियों के निचले हिस्से पर फफूदनाशक का छिड़काव करें। कॉपर आक्सीक्लोराइड का 0.3 प्रतिशत, मैनकोज़ेब का 0.25 प्रतिशत के रुप में सुरक्षात्मक कवकनाशी का प्रयोग करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
पपीता	पपीते की फसल में टिड्डों का प्रकोप होने पर, क्लोरपायरीफास 20 ईसी का 2 मिली/लीटर की दर से छिड़काव करे।
नींबू	नींबू के पेड़ में तितली की सूड़ी अधिक मात्रा में होने पर मोनोक्रोटोफॉस 2मिली/लीटर या क्लोरपायरीफास 2 मिली/लीटर का छिड़काव कर दें।
पालक	किसान भाई, मैदानी व तराई क्षेत्रों में पालक की बुवाई करें।
गोभी	किसान भाई, मैदानी व तराई क्षेत्रों में फूलगोभी की पछेती किस्मो की बुवाई कर सकते है।
प्याज	प्याज की खेती करने वाले किसान भाई इस माह के अंत तक बीज की बुवाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को हरा चारा में सूखा चारा अवश्य मिलाकर दें। अन्यथा आफरा (टिम्पेती) हो सकती है व पनीले दस्त हो सकते है, जिसकी वजह से उनकी मृत्यु हो सकती है।
गाय	पशुओं को हरा चारा में सूखा चारा अवश्य मिलाकर दें। अन्यथा आफरा (टिम्पेती) हो सकती है व पनीले दस्त हो सकते है, जिसकी वजह से उनकी मृत्यु हो सकती है।